जैव-विविधता के बिना पृथ्वी पर मानव जीवन संभव नहीं है : सुनील सिन्हा

प्रशिक्षण

प्रतिनिधि, सासाराम ग्रामीण

प्रशिक्षण में शामिल अधिकारी व अन्य.

शहर के फजलगंज स्थित मल्टीपर्पश हॉल में गुरुवार को बिहार राज्य जैव विविधा पर्षद की विविधा प्रबंधन समिति के सदस्यों का एक दिवसीय प्रशिक्षण हुआ. इसमें सभी अध्यक्षों को जैव विविधता अधिनियम 2002 व संशोधित नियमावली के बारे में जानकारी दी गयी. प्रशिक्षण में बिहार राज्य जैव विविधता पर्षद के उप निदेशक सुनील कुमार सिन्हा ने कहा कि जैव-विविधता का मानव जीवन में महत्वपूर्ण स्थान है. जैव-विविधता के बिना पृथ्वी पर मानव जीवन असंभव है. जैव-विविधता भोजन, कपड़ा, लकड़ी, ईंधन तथा चारा की आवश्यकताओं की पूर्ति करती है. जैव-विविधता कृषि पैदावार बढ़ाने के साथ-साथ रोगरोधी व कीटरोधी फसलों की किस्मों के विकास में सहायक होती हैं. उन्होंने बताया कि वानस्पतिक जैव-विविधता औषधीय आवश्यकताओं की पूर्ति भी करती है. एक अनुमान के अनुसार, आज लगभग 30 प्रतिशत उपलब्ध औषधियों को उष्णकटिबंधीय वनस्पतियों से प्राप्त किया जाता है. उष्णकटिबंधीय शाकीय वनस्पति सदाबहार विनक्रिस्टीन व विनव्लास्टीन नामक क्षारों का स्रोत होता है. मौके पर वैज्ञानिक डॉ. रतन कुमार, डीएफओ मनीष कुमार वर्मा, एसीएफ पंकज कुमार, रेंज ऑफिसर मो असरफ सहित कई सदस्य मौजूद थे.